

पद १४६

(राग: यमन जिल्हा - ताल: त्रिवट)

कुभावकु कैसा मिलेगा राम । योगीमनविश्राम ॥ध्रु.॥ ग्यान ध्यान
लय लच्छु बतावे । मनमो बस रहे काम ॥१॥ लोभ मोह मो भीतर
भरा है । ऊपर धोवत चाम ॥२॥ मानिक कहे ये लच्छुन को नर ।
बांध ले जावे यमधाम ॥३॥